

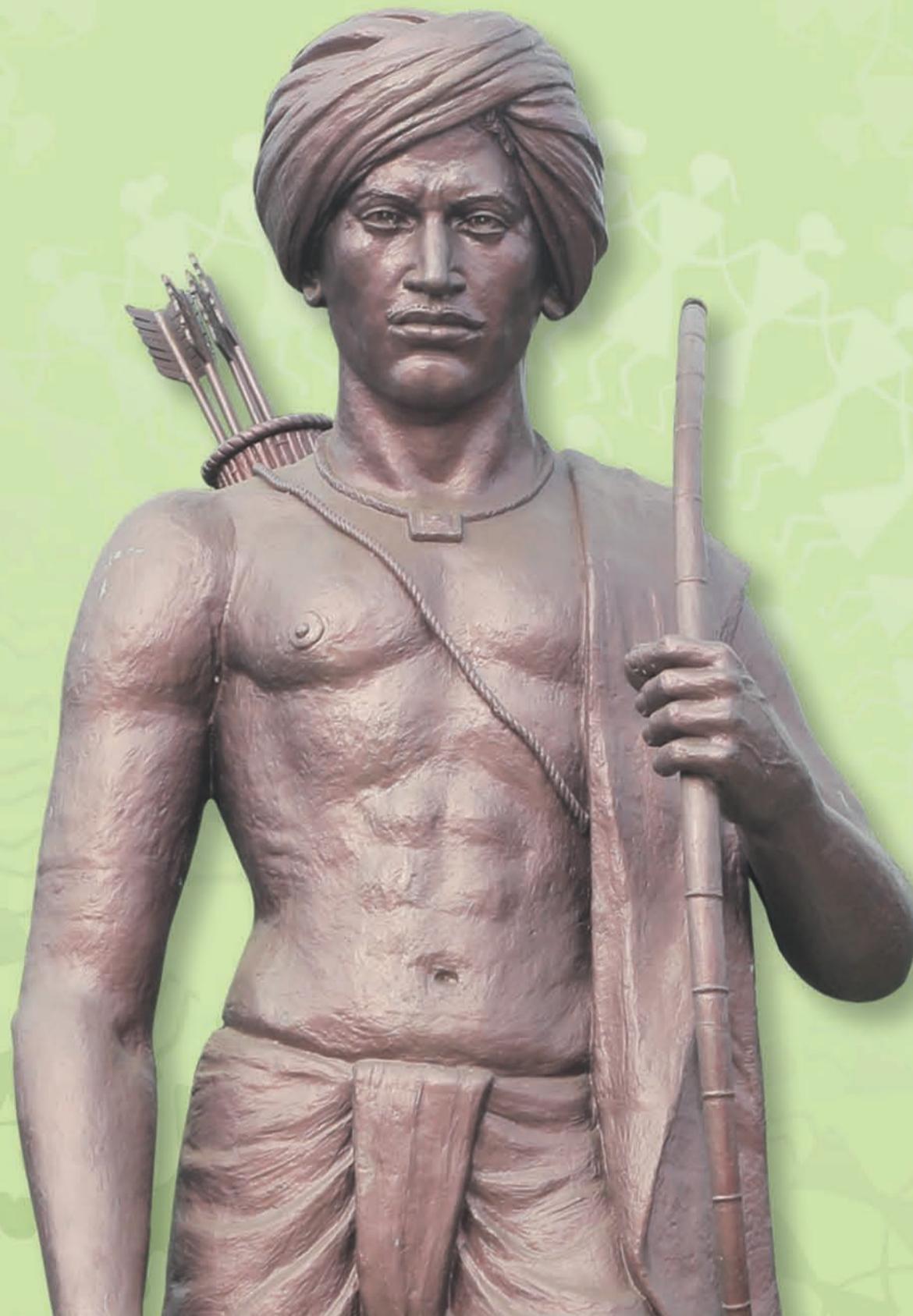


सत्यमेव जयते



आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



वीर शहीदों की पावन भूमि झारखण्ड में



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री

जी का हार्दिक अभिनंदन
और जोहार

15 सितंबर, 2024

श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय सार्जिपाल, झारखण्ड

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

आप काम पर लौटिए
मांगों पर विचार
करुँगी : ममता



सबका साथ सबका विकास....



भगवान विरसा मुंडा
की पावन धरती पर
यशस्वी प्रधानमंत्री
माननीय
श्री नरेन्द्र मोदी जी
का हार्दिक
स्वागत

डॉ. प्रदीप वर्मा

राज्य सभा सांसद सह भाजपा प्रदेश महामंत्री **झारखण्ड**



जब चंपाई सोरेन और जेएमएम समर्थक हुए आमने-सामने, फिर भी
न कोई टैन न कोई खटास, पूरा सम्मान

- चंपाई ने जेएमएम को सीचा है, यह कार्यकर्ता नहीं भूले हैं
- क्षेत्र में ऐसे ही कोल्हान टाइगर के नाम से प्रचलित नहीं हैं चंपाई

यों तो आज की भारतीय राजनीति में एक-दूसरे के विरोधी दलों के तेवर खूब देखने को मिलते हैं। गिला-शिकवा भी खब सुनने को मिलती है। एक दूसरे की पोल-पट्टी खोलने के तक पहुंचाया, उन बातों को एक पल में बिसार देते हैं। उनमें ऐसा

शिकार हो रहे हैं। लेकिन पिछले गुरुवार को बहारागोडा विधानसभा अवसर था शहीद साबुआ हांसदा का शहादत दिवस। इस अवसर पर दोनों तरफ से काफी संख्या में समर्थक जुटे थे, अपने-अपने झड़े के साथ, लेकिन सकन देनेवाली बात यह

यां तो आज की भारतीय राजनीति में एक-दूसरे के विरोधी दलों के तेवर खूब देखने को मिलते हैं। गिला-शिकवा भी खूब सुनने को मिलती है। एक दूसरे की पोल-पट्टी खोलने के अनगिनत दृष्टांत हैं। साथ छूटते ही नेता भाषा की मर्यादा तोड़ देते हैं, व्यवहार को दागदार बना देते हैं। यहां तक कि घर-परिवार पर भी व्यक्तिगत आक्षेप की झाड़ी लगा देते हैं। लंबे समय तक जिसके साथ उन्होंने गुजारा, दुख-दर्द बांटे, एक साथ मिल कर पार्टी को सीधा, उसकी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाया, उन बातों को एक पल में बिसार देते हैं। उनमें ऐसा वैमनस्यता का भाव देखने को मिलने लगता है, जिसकी कल्पना इंसान से तो नहीं की जा सकती। यह भारतीय राजनीति की बड़ी बीमारी बन गयी है और इस बीमारी के कमोबेश सभी शिकार हो रहे हैं। लेकिन पिछले गुरुवार को बहारोड़ा विधानसभा क्षेत्र के केरोकोचा गांव में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जो निश्चित अवसर था शहीद साबुआ हांसदा का शहादत दिवस। इस अवसर पर दोनों तरफ से काफी संख्या में समर्थक जुटे थे, अपने-अपने झड़े के साथ, लेकिन सूकून देनेवाली बात यह रही है कि न तो चंपाई सोरेन के समर्थकों ने झामुमो समर्थकों के मान-सम्मान को ठेस पहुंचायी और न ही झामुमो के कार्यकर्ताओं ने। वहां क्या कुछ देखने को मिला और वह भारतीय राजनीतिश्वासों को क्या सदेश देता है, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राफेश सिंह।

सारी भूमि। हम से बाहर का नहीं



राक्षश सह

दिन गुरुवार। तारीख 12 सितंबर। आजाद सिपाही की टीम बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के कोकपाड़ा टोल नाके के पास थी। अवसर था शहीद साबुआ हांसदा का शहादत दिवस को कवर करना। इस बार साबुआ हांसदा का शहादत दिवस इस लिए भी खास था, क्योंकि भाजपा में शामिल होने के बाद पहली बार चंपाई सोरेन शहीद स्थल पर आनेवाले थे। वैसे पूर्व में जेएमएम की तरफ से कई बार मुख्य अधिति के तौर पर चंपाई सोरेन इस कार्यक्रम में शिरकत करते रहे हैं। हेमंत सोरेन, शिवू सोरेन भी प्रमुखता से इस अवसर पर आते रहे हैं। इस बार शुरू-शुरू में जेएमएम की ओर से कल्पना सोरेन के आने की चर्चा थी। दोनों ओर से भारी संख्या में समर्थकों के जुटान के भी कयास लागये जा रहे थे। राजनीतिक दृष्टिकोण से भी यह दिन हमेशा से चर्चा में रहा है। लेकिन इस बार वहाँ का नजारा दिलचस्प होने की चर्चा जोरें से थी। दोनों के समर्थकों का जुटान चर्चा का केंद्र बना हुआ था। हमारी टीम केरोकोचा गांव की ओर बढ़ रही थी। अचानक देखा कि करीब तीन हजार मोटरसाइकिल टोल नाके से पहले

तक पहुंचाया, उन बातों
को एक पल में बिसार देते
हैं। उनमें ऐसा
वैमनस्यता का भाव
देखने को मिलने लगता
है, जिसकी कल्पना
इंसान से तो नहीं की जा सकती
बड़ी बीमारी बन गयी है 3

आजाद सिपाही विशेष |

शिकार हो रहे हैं। लेकिन पिछले गुरुवार को बहरागोड़ा विधानसभा क्षेत्र के करोकोचा गांव में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जो निश्चित सब कुछ देखने को मिलाता ही नहीं के एक कार्यक्रम में।

अवसर था शहीद साबुआ हांसदा का शहादत दिवस। इस अवसर पर दोनों तरफ से काफी संख्या में समर्थक जुटे थे, अपने-अपने छाड़े के साथ, लेकिन सूकून देनेवाली बात यह रही है कि न तो चंपांडी सोरेन के समर्थकों ने झामुमो समर्थकों के मान-सम्मान को ठेस पहुंचायी और न ही झामुमो के कार्यकर्ताओं ने। वहां क्या कुछ देखने को मिला और वह भारतीय राजनीतिज्ञों को क्या संदेश देता है, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राफेश सिंह।

A man with grey hair and a beard, wearing a white long-sleeved shirt, is standing in the open driver-side door of a white car. He is smiling and waving his right hand towards the camera. In the background, there is a blue truck and a white truck with text that reads "ALL INDIA GOODS", "DAEWOO CARRIER", "INDIAN HEAVY CARGO DIVISION", and "E.S.P.". The scene appears to be outdoors during the day.

कहना था कि परिवर्तन होने के बाद झारखंड को अच्छे से सवारे रेंगे। हर समस्या का समाधान करेंगे। वही मैंने जब जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो से पूछा कि क्या भाजपा कार्यकर्ताओं का समर्थन चंपाई सोरेन को मिल रहा है। उनका कहना था कि बिल्कुल मिल रहा है। आने वाले दिनों में मजबूती के साथ हेमंत सरकार का सफाया होगा। उसके बाद आजाद सिपाही की टीम शहीद साबुआ हांसदा के शहादत स्थल पर पहुंची। वहां जेपएम के कार्यकर्ता और नेता माल्यार्पण कर थे ही तर पर सभा स्थल पहुंच रहे थे, जहां जेपएम का कार्यक्रम भी चल रहा था। इस बीच चंपाई सोरेन के समर्थकों का भी जुटान शहीद स्थल पर होना शुरू हुआ। लेकिन यहां भी दोनों ओर के समर्थकों में कोई टक्कर देखने को नहीं मिला। शार्टपूर्ण तरीके से सड़क पर समर्थक एक दूसरे को देख रहे थे और अपना-अपना कार्य कर रहे थे। चंपाई सोरेन ने साबुआ हांसदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया, साथ में बाबूलाल सोरेन और जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो भी थे। उसके बाद चंपाई सोरेन

सोरेन का काफिला आगे की ओर बढ़ा। यहां से सबको उम्मीद थी कि अब चंपाई समर्थकों और जेएमएम समर्थकों का आमना-सामना डायरेक्ट होगा। क्योंकि वहां पर साबुआ हांसदा की एक और प्रतिमा थी, जहां श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही थी। यहां पर जेएमएम का भी कार्यक्रम चल रहा था। भारी संख्या में ग्रामीण कार्यक्रम का आनंद ले रहे थे। चंपाई सोरेन आये, श्रद्धांजलि दिये। यहां सबसे गौर करनेवाली बात यह थी कि एक बार भी चंपाई सोरेन ने इसमें का नाम नहीं लिया। झामुओ के किसी नेता पर यह किसी तरह का व्यक्तिगत आरोप नहीं मढ़ा। उन्हेंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कोल्हान में सबसे ज्यादा गोलीकांड कांग्रेस ने ही करवाया है। इसके बाद चंपाई सोरेन चले गये। यहां पर भी दोनों ओर के समर्थकों में कोई टशन देखने को नहीं मिला। वहां सभास्थल से एक दो किलोमीटर पहले जेएमएम नेताओं की 10-12 गाड़ियां एक ढाबे में रुकी हुई थीं। जैसे ही चंपाई सोरेन वहां से निकले, वे गाड़ियां सभास्थल पहुंचीं। लखीसी

जय श्रीराम का नारा लगा रहे हैं। उनके समर्थक भी जय श्रीराम का नारा बुलंद कर रहे हैं। जेएमएम के कार्यक्रम में भले ही किन्हीं कारणों से कल्पना सोरेन नहीं पहुंची, लेकिन वहाँ की जनता में उनके नहीं आने का कोई रोष नहीं था। जेएमएम समर्थकों की एक खासियत है, उन्हें इन सब बातों से नाराजगी नहीं होती। उन्हें सिर्फ तीर धनुष के निशान से मतलब है। वहीं अगर किसी अन्य दल का कार्यक्रम होता, और उनका नेता किन्हीं कारणों से वहाँ नहीं पहुंच पाता तो उनके समर्थकों का गम्भीर भाष्या में शामिल हुए थे, सभी ने पार्टी और आलाकमान पर आरोप लगाया, दिल खोल कर खिलाफ में बयानबाजी की। लेकिन गुरुवार को मैंने जो नजारा देखा, वह एक स्वस्थ राजनीति की तसवीर पेश करती है। वह यह भी तसवीर पेश करती है कि चंपाई सोरेन को यों ही कोल्हान का टाइगर नहीं कहा जाता। उनके झामुमो छोड़ने के बाद भी जेएमएम कार्यकर्ताओं की तरफ से उनके मान-सम्मान में कोई कमी नहीं देखने को मिली। यानी चंपाई सोरेन आज भी झामुमो कार्यकर्ताओं के लिए चंपाई टांडे हैं।

**ग्राम प्रधानों के महासम्मेलन के बहाने संथाल में होगी कोल्हान टाइगर चंपाई की इंट्री
कल लोबिन, चंपाई एक साथ लिट्टीपाड़ा में गरजेंगे**

कार्तिक कुमार



पाकुड़ (आजाद सिपाही)। कभी ज्ञामुमो के कोल्हान टाइगर रहे अब भाजपा के चंपाई सेरेन के संग झारखंड आंदोलनकारी लोबिन हेब्रम एक साथ सोमवार को संथाल के लिट्टीपाड़ा विधानसभा से ज्ञामुमो के गढ़ को भेदने के मिशन को लेकर एंटी मारेंगे। दोनों नेतागण एक साथ यहाँ मांझी परगना महा सम्मेलन के अध्यक्ष के बुलावे पर लिट्टीपाड़ा विधानसभा के डांगा पारा फुटबॉल मैदान में मांझी परगना मतलब ग्राम प्रधानों के सम्मेलन को संबोधित कर ज्ञामुमो के गढ़ में ज्ञामुमो की सच्चाई के राज को उगलेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि कोल्हान टाइगर चंपाई सेरेन और आंदोलनकारी नेता लोबिन हेब्रम को भाजपा फ्रंट पर लाकर ज्ञामुमो का गढ़ रहा संथाल को कहीं ना कहीं भेदने के लिए ज्ञामुमो से बागी हो बीजेपी में आने के बाद इन दोनों कदावर नेताओं को एक साथ संथाल में एंटी कराना और

A portrait of a man with glasses and a green sash.

**उत्पाद सिपाही अभ्यर्थी की मौत पर बिफरे अमर बाउरी कहा-
50 लाख और एक सरकारी नौकरी दे सरकार**

आजाद सिपाही संवाददाता



**भाजपा की सरकार बनी
तो मिलेंगे 50 लाख**

बता दें कि अब तक दर्जन भर से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसे लेकर भाजपा के नेता लगातार वर्तमान सरकार पर हमलावर हैं। बीते दिनों एक महिला अभ्यर्थी आरती केरकेट्टा की मौत होने पर अमर बाड़ी ने उनके परिवार जनों से मुलाकात की थी और कहा था कि जिस दिन भाजपा की सरकार बनेगी उस दिन अभ्यर्थियों के आश्रितों को 50 लाख मआवजा और एक संग्रहीत तांकी दी जायेगी।

झारखण्ड हाइकोर्ट से सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ दर्ज केस में संशोधित पिटीशन दायित्व करने की मिली अनुमति

आजाद सिपाही संवाददाता

में संशोधन पिटीशन दखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही संशोधन पिटीशन दखिल होने पर राज्य सरकार को जवाब के लिए चार सप्ताह का समय मिला है। पूर्व में निशिकांत दुबे ने मोहनपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने का आग्रह किया था, लेकिन मामले में अब आरोप पत्र दखिल हो चुका है, जिसे संशोधन

81 विस सीटों पर ओबीसी एकता मंच उतारेगा प्रत्याशी



आजाद सिपाही संवाददात

रांची। ओबीसी एकता अधिकार मंच झारखंड की 81 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है। केंद्रीय अधिकार को रांची के पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ब्रह्मदेव प्रसाद ने शनिवार को रांची के पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता कर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा है कि ओबीसी एकता अधिकार मंच राज्य की सभी 81 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयारी में है। हमारा राज्य ओबीसी बहुल है, इसलिए हम ओबीसी में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जहां अनारक्षित सीट होगी, वहां हम ओबीसी प्रत्याशी देने की तैयारी करेंगे। इसके अलावा जहां अनारक्षित सीटें हैं, वहां हम ओबीसी एकता अधिकार मंच के प्रत्याशियों को टिक्का देंगे। जितनी आवादी उतनी हिस्सेदारी : ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि पलमू प्रमंडल में 11 सीटों पर हमारे

नगर निकाय चुनाव पर सरकार की मशा ठीक नहीं

ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा कि 2020 से लटक रहे नगर निकाय चुनाव को टालने का राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है। झारखंड हाइकोर्ट में बार-बार सरकार को फैसले पड़ रही है। इसके बावजूद सरकार कोई न कोई बहाना करना कर चुनाव से पल्ला झाड़ा चाह रही है। इससे सरकार की मंशा का पता चलता है। उन्होंने कहा कि एक नए सरकार ओबीसी को समरूपता आक्षण देने की वकालत करती है, वही दूसरी ओबीसी को निकाय चुनाव को रोकने पर भी आमदा है। सरकार ने जनवरी में राज्य में एक साथ सभी नगर निकायों का चुनाव कराने का निर्णय लिया था, जिसकी तैयारी फरवरी 2023 में लगभग पूरी हो चुकी थी। एक वक्त पर यहों के चक्री आक्षण के मूल परें फैसले के बाद इसे अनिश्चितकल के लिए टाल दिया गया।

प्रत्याशी मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। पलमू प्रमंडल और उत्तरी छोटानगपुर प्रमंडल और रांची सहित कई सकता। अब ओबीसी समाज राजीती में प्रमुख रूप से अपनी सहभागिता निभायेगा, जिसके बावजूद आवादी करीब 65 प्रतिशत है। पूरे राज्य के अन्य इस्सों में हमारी ओबीसी की महानी कुमार प्रिय एवं विशेष अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, उप निदेशक जनसंपर्क शालिनी वर्मा एवं उप निदेशक राजभाषा गौतम कुमार उपस्थित थे।

विकास भवन में हिंदी दिवस का आयोजन

राष्ट्र निर्माण में हिंदी भाषा की अहम भूमिका: आयुक्त



आजाद सिपाही संवाददात

रांची। हिंदी दिवस के अवसर पर विकास भवन सभागार में प्रमंडलीय राजभाषा कार्यालय की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार प्रिय एवं विशेष अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अनुमंडल पदाधिकारी उत्कर्ष कुमार, उप निदेशक जनसंपर्क शालिनी वर्मा एवं उप निदेशक राजभाषा गौतम कुमार उपस्थित थे।

हिंदी दिवस के अवसर पर अंजनी कुमार प्रिय ने सभी को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हिंदी पूरे देश को एकता के सूत्र में बढ़ावे हुए है। देश की आजादी में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अन्य भाषाएं जब देश में कई खास प्रभाव नहीं डाल पायी, तभी हिंदी भाषा की महता बढ़ गयी। महात्मा गांधी जी ने

झारखंड विधानसभा चुनाव के चैलेंज के बीच सैफ चैंपियनशिप 2024 की तैयारी में सरकार



आजाद सिपाही संवाददात

रांची। अवटर्क के दूसरे सपाह (4-6 अक्टूबर) में रांची (झारखंड) को सैफ चैंपियनशिप 2024 (साउथ एशियन फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप) की मेजबानी करनी है। इसके लिए मोरावादी सिविल फुटबॉल ग्राउंड का निर्धारण भी किया गया है।

इसने महत्वपूर्ण आयोजन को लेकर खेल विभाग अपने रसें रहा। झारखंड अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित हुआ था। मसला यह है कि इस साल के आधिकारिक भाषा के राज्य में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

अवटर्क के प्रथम साल में रांची में आयोजित होने वाली सीनियर साउथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए खेल विभाग ने अपने तीके से तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारियों के मध्येजर 11-13 सितंबर तक बेन्नी के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित चौथी साउथ एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आयोजित एथलेटिक्स स्ट्रॉबरी को देखने वाले निदेशक, झारखंड सदीप कुमार चैन्स्ट्री गये हैं।

सैफ एथलेटिक्स की खासियत :

अवटर्क के प्रथम साल में रांची में आयोजित होने वाली सीनियर साउथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए खेल विभाग ने अपने तीके से तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारियों के मध्येजर 11-13 सितंबर तक बेन्नी के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित चौथी साउथ एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आयोजित एथलेटिक्स स्ट्रॉबरी को देखने वाले निदेशक, झारखंड सदीप कुमार चैन्स्ट्री गये हैं।

निर्धारित है। खिलाड़ियों और अन्य डेलीगेट्स की संख्या 250 से अधिक होगी। इनके रांची आने, आवासन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था मुख्य रूप से झारखंड सरकार द्वारा बेन्नी के बीच जगन्नाथपुर थाना के सामने वाले चौक पर आयोजित होगी। इसके बाद नियमित विशेष अधिकारिक जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप को लेकर खेल विभाग ने अपने तीके से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सैफ एथलेटिक्स की खासियत :

अवटर्क के प्रथम साल में रांची में आयोजित होने वाली सीनियर साउथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए खेल विभाग ने अपने तीके से तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारियों के मध्येजर 11-13 सितंबर तक बेन्नी के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित चौथी साउथ एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आयोजित एथलेटिक्स स्ट्रॉबरी को देखने वाले निदेशक, झारखंड सदीप कुमार चैन्स्ट्री गये हैं।

निर्धारित है। खिलाड़ियों और अन्य डेलीगेट्स की संख्या 250 से अधिक होगी। इनके रांची आने, आवासन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था मुख्य रूप से झारखंड सरकार द्वारा होगी। चुनावी संघवानाओं के बीच मोरावादी मैदान में सैफ चैंपियनशिप का आयोजन कर्त्ता रह की चिंताएं भी खड़ा कर रहा है। आयोजन के लिए 4 करोड़ का बजट

निर्धारित है। खिलाड़ियों और अन्य डेलीगेट्स की संख्या 250 से अधिक होगी। इनके रांची आने, आवासन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था मुख्य रूप से झारखंड सरकार द्वारा होगी। चुनावी संघवानाओं के बीच मोरावादी मैदान में सैफ चैंपियनशिप का आयोजन कर्त्ता रह की चिंताएं भी खड़ा कर रहा है। आयोजन के लिए 4 करोड़ का बजट

निर्धारित है। खिलाड़ियों और अन्य डेलीगेट्स की संख्या 250 से अधिक होगी। इनके रांची आने, आवासन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था मुख्य रूप से झारखंड सरकार द्वारा होगी। चुनावी संघवानाओं के बीच मोरावादी मैदान में सैफ चैंपियनशिप का आयोजन कर्त्ता रह की चिंताएं भी खड़ा कर रहा है। आयोजन के लिए 4 करोड़ का बजट

निर्धारित है। खिलाड़ियों और अन्य डेलीगेट्स की संख्या 250 से अधिक होगी। इनके रांची आने, आवासन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था मुख्य रूप से झारखंड सरकार द्वारा होगी। चुनावी संघवानाओं के बीच मोरावादी मैदान में सैफ चैंपियनशिप का आयोजन कर्त्ता रह की चिंताएं भी खड़ा कर रहा है। आयोजन के लिए 4 करोड़ का बजट

निर्धारित है। खिलाड़ियों और अन्य डेलीगेट्स की संख्या 250 से अधिक होगी। इनके रांची आने, आवासन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था मुख्य रूप से झारखंड सरकार द्वारा होगी। चुनावी संघवानाओं के बीच मोरावादी मैदान में सैफ चैंपियनशिप का आयोजन कर्त्ता रह की चिंताएं भी खड़ा कर रहा है। आयोजन के लिए 4 करोड़ का बजट

निर्धारित है। खिलाड़ियों और अन्य डेलीगेट्स की संख्या 250 से अधिक होगी। इनके रांची आने, आवासन, सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था मुख्य रूप से झारखंड सरकार द्वारा होगी। चुनावी संघव

डीएसपीएमयू में करम पर्व की धूम करम पेड़ ज्यादा ऑक्सीजन देता है : डॉ अंजनी श्रीवास्तव



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची में करम पर्व के अवसर पर उपस्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय के लोकपाल प्रो. डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव में कहा कि करम पर्व में जिस पेड़ की डाली को पूछते हैं, इसके अन्ने प्राकृतिक गुण है कि इस पेड़ से ज्यादा ऑक्सीजन हमें प्रदान करती है। इससे प्रकृति और हम जीव जगत के बीच संतुलन बना रहता है। यह आदिवासी की अनमोल खोज है। साथ ही उन्होंने आखड़ा परिसर के चारों ओर शेड लगाने की बात कही। पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. सत्यनारायण मुंदा ने करम पर्व के बोतलों पर हुए करम डाली के लिए करम पेड़ के पास गया। फिर वहाँ करम डाली के विधिवत काट कर लाया गया और पहाड़ पर्व में महेश भगत ने इसे आखड़ा में स्थापित किया। करम डाली की पाजा प्रो. महेश भगत एवं डॉ. जुरुन सिंग मानकी द्वारा संपन्न कराया गया। करम महोत्सव के अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के कोर्डिनेटर डॉ. विनोद कुमारने का बोतल द्वारा उपस्थित कार्यक्रम अंगीन बनाने हुए पदवीश्री मणु मंसुरी ने अपने सुरों से आखड़ा में नृत्य-संगीत से समां बांध दिया। इसके पूर्व विश्वविद्यालय परिसर में

स्थित अखड़ा में विभिन्न विभाग द्वारा उत्तर्ये हुए जाउआ को नृत्य-गीत के साथ विधिवत लाया गया। फिर पाहान के साथ नृत्य-गीत करते हुए करम डाली के लिए करम पेड़ के पास गया। फिर वहाँ करम डाली के विधिवत काट कर लाया गया और पहाड़ पर्व में महेश भगत ने इसे आखड़ा में स्थापित किया। करम डाली की पाजा प्रो. महेश भगत एवं डॉ. जुरुन सिंग मानकी द्वारा संपन्न कराया गया। करम महोत्सव के अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के कोर्डिनेटर डॉ. विनोद कुमारने का बोतल द्वारा उपस्थित कार्यक्रम अंगीन बनाने हुए पदवीश्री मणु मंसुरी ने अपने सुरों से आखड़ा में नृत्य-संगीत से समां बांध दिया।

आदिवासियों का प्रमुख त्योहार है करम पूजा : रामजी यादव



रांची (आजाद सिपाही)। वाढ़ीवैन कलेज फैर टीवर एजुकेशन कल्याणी में कर्म पूजा का त्योहार बड़े हॉलोलास के साथ मनाया गया। कर्म पूजा के पर बीड़ के सभी छात्र-छात्राओं ने बड़े चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें कर्म पूजा से संबंधित गीत व व्रत्य भी प्रस्तुत किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम अत्यधिक मनमोहक था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

विश्वविद्यालय के अध्यक्ष समझी यादव थे। अध्यक्ष का स्वागत बीड़ के छात्रों द्वारा कर्म गीत गाकर तथा भांदर बजाकर दिया गया। इस अवसर पर कर्में करम के वाइस प्रिसेपल डॉ. कैलेश नाथ सिंह, डॉ. सुभाष यादव, डॉ. मांडीवीर राय, डॉ. सुभाषीष औ. डॉ. संदीप आनंद, डॉ. सलमा खातून, प्रियकांक कुमारी तथा अन्य उपस्थित थे।

केनरा बैंक का एटीएम काटकर 6.72 लाख की चोरी

दो कार में सवार 4 अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम गैस कट लेकर पहुंचे थे नकाबपोश अपराधियों ने सिमलिया हाजी चौक स्थित केनरा बैंक के एटीएम को निशाना बनाया। गैस कट की मदद से 6.72 लाख की चोरी कर रुफू-चक्रवर्त हो गये। अपराधकर्मी दो कार में सवार होकर आये थे।



इसमें एक स्कार्पिंग रेकी कर रही थी। मालवे को लेकर पंडरा ओपी के हेलोन काजू बागान आनंद नगर में रहने वाले एटीएम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी की कुमार निशेष कुमारी की ओर से रात् थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस संसारीबी फुटेज खंगाल

रही है। फिर प्रिंट दस्ते की मदद से ली गयी। तकनीकी सेल से बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर कर रही। उन्होंने एटीएम काट रुपये की चोरी के काँल डंप भी आपराधियों ने एटीएम मशीन को गैस कट कर ली। उन्होंने सिंह 9 मिनट का समय लगा। साथकर को बहते ही गुड़गांव स्थित हेडक्वार्टर को इसका संकेत मिला। वहाँ से कुमार निशेष को इसकी टेलीफिनिक खबर आयी। उन्होंने तत्काल एटीएम के आग के हवाले कर दिया।

17 जुलाई 2024 को सिमलिया एसबीआई बैंक में दुबारा एटीएम मशीन काटकर 7 लाख की चोरी कर पहले की तरह ही अपराधियों ने एटीएम मशीन को आग के हवाले कर दिया था। चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया। जुलूस 6.72 लाख की चोरी कर दिया।

उत्तरे। हाथ में गैस कटर था। वहले साथकी को निशाना और उसके बाद एटीएम काट रुपये की चोरी कर रही। उन्होंने उन्हें फिर कर ली। उन्होंने एटीएम को आग के हवाले कर दिया था।

चोरी के 2 माह भी बीता है जो 24 सितंबर 2024 की सुबह तीन बजे चोरों ने हाजी चौक स्थित केनरा बैंक को निशाना बनाने हुए गैस कट कर एटीएम को अंजाम कर दिया।

संपादकीय

एलएसी पर स्थिति पूरी तरह सामान्य हो

वि देश मंत्री एस जयशंकर का यह कहना कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याएँ 75% तक सुलझ गयी हैं, कई लिहाज से अहम हैं। इसके टाइमिंग तो खास है ही, आगे-पीछे और समानांतर चल रहे प्रवासों की रोशनी में इस बवान के दोनों देशों के रिस्तों में सुधार की बढ़ी हुई दोस्तफा इच्छा का संकेत माना जा रहा है। भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई विसक झटक के बाद के चार वर्षों में दोनों पक्षों के बीच बातचीत के दर्जनों दौर हो चुके हैं तो लेकिन यह पहला मौका है, जब विदेश मंत्री ने इसमें हुई प्रगति को इस तरह मात्रात्मक अंदाज़ा दिया है। विदेश मंत्री ने कहा कि यो सोलेश निकला है, वह इस मायने में अंदरम है कि इसमें साथ-साथ चल रहे अन्य प्रवासों की बाबाना भी रेखाकृत होती है। विदेश मंत्री जयशंकर के बवान के कुछ धंतों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की एनएस-बैठक के लिए रूस गये राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की थी जो विदेश मंत्री भी हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में नागरिक उड़ान मंत्री राम मोहन नायडू ने अपने चीनी समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की बीच सीधी जल्द पुनर्वर्ती से जुड़े पहलुओं पर बातचीत की। ये सारे प्रवास इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि अगले महीने ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक के दौरान प्रदानमंत्री नेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपिता शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है।

नगरिक उड़ान मंत्री राम मोहन नायडू ने अपने चीनी समकक्ष के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की बीच सीधी उड़ानों की जल्द पुनर्वर्ती से जुड़े पहलुओं पर बातचीत की। ये सारे प्रवास इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि अगले महीने ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक के दौरान प्रदानमंत्री नेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपिता शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है।

शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है। इन बातों का यह मतलब नहीं है कि दोनों देशों के बीच सीधा विवाद की उलझी हुई गुणी आसान हो गयी है। दोनों के स्टैंड में किसी बदलाव का कोई संकेत अभी तक नहीं है। चीन की तरफ से सीधा विवाद को दरकानार करते हुए संबंध सुधारने के आग्रह पर भारत का रुख आज भी यही है कि सीधा पर सामान्य स्थिति बहाल हुए बगैर यह संभव नहीं। भारत यह बताने में भी संकेत नहीं कर रहा कि चार साल पहले एलएसी पर चीन द्वारा की गयी कार्रवाई दोनों पक्षों के बीच उस समय तक चीनी तमाम सहमतियों का उल्लंघन थी और आज तक यह भी पूरी तरह साफ नहीं हुआ है कि आखिर चीन ने ऐसा क्यों किया। सामान्य रिश्तों के लिए एसी पर सामान्य स्थिति बहाल होने के साथ ही एक-दूसरे पर भरोसा होता भी जरूरी है। उसके लिए दोनों पक्षों के व्यवहार में पारदर्शिता होनी चाहिए। कुल मिला कर, रिस्तों की बेहतरी के लिए अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है, लेकिन दोनों पक्ष अगर इसकी इच्छा जता रहे हैं, तो यह भी अच्छी बात है। जहां चाह होती है, वहां राह निकलना बहुत मुश्किल नहीं होता।

अभिमत आजाद सिपाही

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। इसे बोलने-समझने वालों की संख्या और उनके भूगोल का लगातार होता जा रहा है। लेकिन इसका उपयोग विदेश मंत्री ने कहा कि इससे पारदर्शिता और साथ-साथ चल रहे अन्य प्रवासों की बाबाना भी रेखाकृत होती है। विदेश मंत्री जयशंकर के बवान के कुछ धंतों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की एनएस-बैठक के लिए रूस गये राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की थी जो सोलेश निकला है, वह इस मायने में अंदरम है कि इससे साथ-साथ चल रहे अन्य प्रवासों की बाबाना भी रेखाकृत होती है। विदेश मंत्री जयशंकर के बवान के कुछ धंतों के भीतर ही ब्रिक्स देशों की एनएस-बैठक के लिए रूस गये राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से मुलाकात की थी जो सोलेश निकला है, वह इस मायने में अंदरम है कि इससे साथ-साथ चल रहे अन्य प्रवासों की बाबाना भी रेखाकृत होती है।

हिन्दी परखवाड़े के ढकोसले को बंद कीजिए

योगेंद्र यादव

हिन्दी प्रेमी होने के नाते इस 14 संतंबर को हिन्दी भाषी और हिन्दी के शुभार्थितक गण से अपना पुराना आग्रह दोहराना चाहूँगा कि कृपया हिन्दी दिवस और हिन्दी परखवाड़े के ढकोसले को बंद कर दीजिए। साल में एक बार हिन्दी की असरी उत्तराने की बजाय 365 दिन हिन्दी का इस्तेमाल कीजिए। राष्ट्रभाषा का नकली दावा और राजभाषा की सरकारी धौंस छोड़कर हिन्दी को अपने तरीके से फलने-फूलने लीजिए। दफतरों और अकासरों को हिन्दी अपनाने का आदेश भर मत दीजिए। सरकारी कामकाज के लिए ऐसी हिन्दी गढ़ी जिसे बिना अनुभव के सम्पादन के सम्पादन के साथ दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानों की जल्द पुनर्वर्ती से जुड़े पहलुओं पर बातचीत की। ये सारे प्रवास इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण हैं कि अगले महीने ब्रिक्स देशों की शिखर बैठक के दौरान प्रदानमंत्री नेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपिता शी चिनफिंग की मुलाकात होने वाली है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता की बाबा लगातार होती है।

भाषाओं के संसार में हिन्दी की स्थिति अन्य भाषाओं से अलग है। यह लगातार फैल रही है और साथ-साथ सिकुड़ती भी जा रही है। लेकिन यह एक प्राचीन भाषा का बचाव के लिए हिन्दी लीजी है, लेकिन देश और दुनिया की प्रियता

गढ़वा

भारतीय संस्कृति और एकता का प्रतीक है हिंदी: अलखनाथ पांडे

आजाद सिपाही संवाददाता



गढ़वा। हिंदी दिवस के अवसर पर आर के प्रबल्क स्कूल गढ़वा में हिंदी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल में हिंदी में सुवह को प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। स्कूल के निदेशक अलखनाथ पांडे ने सभी लोगों को हिंदी की हार्दिक बधाइ व शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिंदी स्पष्ट एक भाषा नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और एकता का प्रतीक है। वह हमें हमारे समृद्ध इतिहास, साहित्य और परंपराओं से जोड़ती है। हिंदी दुनिया भर में करोड़ों लोगों द्वारा जानमानस और भावानात्मक भाषा है, जो लोगों के दिल को आसानी से छू लेती है। पूरे विश्व में इसका भरपूर सम्मान करना चाहिए। एक भारतीय होने के नाते यह हमारा कर्तव्य है कि हमें हिंदी के लिए हार्दिक बधाइ करना। प्रचार-प्रसार करने के श्रेय एकमात्र हिंदी भाषा को ही जाता है। देश की आजादी के आंदोलन में भी हिंदी की शुभिका प्रत्यक्ष्यांग रही है। स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा सुलेख, काव्य पाठ, कथा

वाचन, निर्बंध लेखन और भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई और इन प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इस करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशंसित पत्र देकर सम्मानित किया।

स्कूल के प्राचार्य संतोष पांडे ने कहा कि हिंदी का प्रयोग करना हीना की आजादी के आंदोलन में भी हिंदी की शुभिका प्रत्यक्ष्यांग रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग करना हीना की आजादी के आंदोलन में भी हिंदी की शुभिका प्रत्यक्ष्यांग रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग करना हीना की आजादी के आंदोलन में भी हिंदी की शुभिका प्रत्यक्ष्यांग रही है। उन्होंने कहा कि हिंदी का प्रयोग करना हीना की आजादी के आंदोलन में भी हिंदी की शुभिका प्रत्यक्ष्यांग रही है।

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन



आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। प्रखंड के चर्टनियां पंचायत में शिवार को पंचायत भवन के प्रांगण में आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीड़ीओं रोकेश सदाबाहार, प्रमुख संतोष पांडे उर्फ पिंक पांडे, शुभिका पूजा कुमारी, उप मुख्यमंत्री लोलातीरी देवी, पंचायत सेवक शहिद अंसारी व आम ग्रामीणों ने दीप प्रचलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। चर्टनियां पंचायत में विभिन्न योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए। इस पंचायत में सभी अधिक अवृद्ध आवास योजना में 1080

आवेदन मिले हैं। मंडिया समान योजना में 60, मुख्यमंत्री पशुधन योजना में 105, बिजली से जुड़ी 1, राशन कार्ड के लिए 27, युरुजी फ्रेंटेंट कार्ड के लिए 3, यारीबंद प्रदेश के पदाधिकारी के साथ वर्चुअल बैठक हुई, जिसमें आगामी 21 और 22 सितंबर को गढ़वा जिले में परिवर्तन संकल्प रथ यात्रा कार्यक्रम को लेकर आयोजन किया गया है। बीड़ीओं रोकेश सदाबाहार, प्रमुख संतोष पांडे उर्फ पिंक पांडे, शुभिका पूजा कुमारी, उप मुख्यमंत्री लोलातीरी देवी, अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए। इस पंचायत में सभी अधिक अवृद्ध आवास योजना में 1080

भवनाथपुर बस्ती के ग्रामीणों की सहमति के बिना बुका में टैग हुई राशन दुकान



आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड अंतर्गत भवनाथपुर बस्ती के सैकड़ों राशन कार्ड धारियों का जनवितरण प्रणाली का दुकान पांच कीमी दूर बुका गांव रित्यांग सहायता समाज सहायता समूह में टैग किए जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने भवनाथपुर पंचायत समिति सदस्य चंदन कुमार ताकुर के नेतृत्व में प्रखंड कार्यालय पहुंच कर प्रखंड विकास परिवार ने दुकान के नाम पर निर्धारित दुकान के नाम पर रही है। इसके बाद बुका गांव के वालों ने राशन देने के नाम पर निर्धारित दुकान के नाम पर रही है। अंसारी, चंदन कुमार, विकास ताकुर, बुधन बैठा, मनोज कुमार, धंजय रजक, मया देवी, कमला देवी, मनोज देवी, उषा, सुनीता देवी सहित सैकड़ों महिला सुधा मौजूद थे।

ग्रामीणों ने प्रखंड विकास के दुकानदार के लिए आवेदन में लिखा है कि भवनाथपुर बस्ती से बुका की दूरी को देखते हुए राशन वितरण भवनाथपुर पंचायत भवन में कराया जाये। इस मैके पर वार्ड सदस्य लोलातीरी रहीम अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।

ग्रामीणों ने आपकी योजनाओं से जुड़े हुए अंसारी, रेणू प्रभारी रहीम अंसारी, राशन चुंडी 1476 आवेदन प्राप्त हुए।</

दल-पट्टा बन्दे भारत के उद्घाटन हेतु



Vande Bharath Express

भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी जी

के जमशेदपुर आगमन
पर हार्दिक स्वागत एवं

आमंत्रण...



स्थान : टाटानगर ऐलवे स्टेशन

दिनांक : 15 सितम्बर 2024

दिन : रविवार



विनोद राय
युवा मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता
ईचागढ़ विधान सभा

ईचागढ़ की एक ही राय, विनोद राय, विनोद राय